
Renuka Ashtakam by Vishnudas in Marathi

रेणुकाष्टक मराठी श्रीविष्णुदासकृत

Document Information

Text title : viShNudAsakRita reNukAShTaka marATHI

File name : reNukAaShTakaVishnudasMarathi.itx

Category : aShTaka, devii, reNukA, devI

Location : doc_devii

Author : Vishnudas

Transliterated by : Kaushal S. Kaloo kaushalskaloo at gmail.com

Proofread by : Kaushal S. Kaloo kaushalskaloo at gmail.com

Description-comments : http://www.youtube.com/watch?v=j9_GT6tIs3s

Latest update : June 22, 2013

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

November 22, 2022

sanskritdocuments.org

रेणुकाष्टक मराठी श्रीविष्णुदासकृत



श्रीगणेशाय नमः ।

लक्ष-कोटि-चण्डकीर्ण-सुप्रचंड विलपती ।
अंब चंद्रवदनबिंब दीप्तीमाजि लोपती ।
सिंह-शिंभर-अचलवासि मूणपीठ नाथिका ।
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ १ ॥

आकर्ण अरुणवर्ण नेत्र श्रवणीं दिव्य कुंडले ।
जोवताति पुष्पहार भार हार दाटले ।
अष्टदंडि बाजुबंदि कंकणादि मुद्रिका ।
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ २ ॥

छंदनीण-पद्मराग-पायडीर वेगणा ।
पायघोण-बोरमाण-चंद्रहार वेगणा ।
पैजलादि भूषणैश्च लोपत्याति पादुका ।
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ ३ ॥

छंद-चंद्र-विष्णु-ब्रह्म-नारदादि वंदिती ।
आदि-अन्त हावडीन आदिशक्ति भगवती ।
प्रचंड चंडभुंड भंडविभंडकारि अंबिका ।
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ ४ ॥

पर्वताग्रवासि पक्षि अंब ! अंब ! बोलती ।
विशाल शालवृक्ष रानीं भवानि ध्यानि जोलती ।
अवतार कृत्यासार जड-मुडादि तारका ।
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ ५ ॥


अनंत ब्रह्मांड पोटी पूर्वमुखां बैसली ।
अनंतगुण अनंतशक्ति विश्वजननि भासली ।


सव्यभागि दत्त-अत्रि वामभागि कालिका ।
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ ६ ॥
पवित्र मातृक्षेत्र धन्य वास पुण्य आश्रमीम् ।
अंबददर्शनास भक्त अभक्त येति आश्रमीम् ।
भडलूनि विष्णुदास निजलाभ पावला कुका ॥
धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष कल्पवृक्ष रेणुका ॥ ७ ॥

॥ श्रीरेणुकार्पणमस्तु ॥

http://www.youtube.com/watch?v=j9_GT6tIs3s

Encoded and proofread by Kaushal S. Kaloo kaushalskaloo at gmail.com

——
Renuka Ashtakam by Vishnudas in Marathi
pdf was typeset on November 22, 2022

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

